न्यूज डायरी

पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत को गीदड़भभकी, जंग को हम तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। चीन के बाद अब उसके आयरन ब्रदर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भारत को गीदड़भभकी दी है। जनरल बाजवा ने भारत को खुली चेतावनी दी कि पाकिस्तान पांचवीं पीढ़ी या हाइब्रिड वॉर को जीतने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस समय कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसका मकसद देश और पाकिस्तानी सेना को बदनाम करना है। पाकिस्तान के डिफेंस डे और शहीद दिवस पर रावलपिंडी में आयोजित कार्यक्रम में जनरल बाजवा ने कहा कि हम पांचवीं पीढ़ी या हाइब्रिड का सामना कर रहे हैं। इसका उद्देश्य पाकिस्तान और सेना को बदनाम करना तथा अव्यवस्था पैदा करना है। उन्होंने कहा, हम इस खतरे से वाकिफ हैं और देश की मदद से इस जंग को निश्चित रूप से जीतेंगे। भारत का नाम लिए बिना बाजवा ने कहा कि अगर हमारे ऊपर युद्ध थोपा गया तो हम हर एक आक्रामक कार्रवाई का करारा जवाब देंगे।

कैलिफोर्निया में इस साल 20 लाख एकड़ में फैले जंगल आग की भेंट चढ़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शेवर लेक। अमेरिकी वन सेवा के मुताबिक इस साल कैलिफोर्निया में 20 लाख एकड़ में फैले जंगल आग की भेंट चढ़ गए हैं एवं आगे भी इनके नष्ट होने का खतरा बना हुआ है। अमेरिकी वन सेवा ने इसके साथ ही सोमवार को कैलिफोर्निया राज्य के दक्षिण में स्थित आठ राष्ट्रीय वनों को बंद करने की घोषणा की। आमतौर पर शुष्क गर्मी के कैलिफोर्निया में जंगल में आग लगने का खतरा सबसे अधिक होता है। राज्य के इतिहास में जंगल में आग लगने की तीन बड़ी घटनाओं में दो सैन फ्रांसिस्को खाड़ी इलाके में लगी जंगल की आग है जो जल रहा है। इन आग पर काबू पाने के लिए 14 हजार दमकलकर्मी संघर्ष कर रहे हैं और दर्जनों कैलिफोर्निया के आसपास हैं। क्षेत्रीय वनसरंक्षक रैंडी मूर ने कहा, ''पूरे कैलिफोर्निया में जंगल में लगी आग खतरनाक है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए।''

कमला हैरिस कभी राष्ट्रपति नहीं बन पाएंगी: ट्रम्प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन और उनकी पार्टी से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार सीनेटर, कमला हैरिस की कोरोना वायरस टीके के खिलाफ ''बायनबाजी'' पर निशाना साधा और कहा कि वह कभी राष्ट्रपति नहीं बन सकती हैं। हैरिस ने रविवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि जब तक टीके की क्षमता एवं उसपर निर्भरता का दावा करने के लिए कोई विश्वसनीय स्रोत नहीं होगा, तब तक वह राष्ट्रपति पर भरोसा नहीं करेंगी। ट्रम्प ने 'लेबर डे' पर व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' वह (हैरिस) टीके की उपेक्षा कर रही हैं ताकि लोगों को लगे कि यह कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है।'' उन्होंने कहा, '' मैं यह उपलब्धि मेरे लिए हासिल नहीं करना चाहता हूं। मैं कुछ ऐसा चाहता हूं जो लोगों को बेहतर करे, जिससे लोग बीमार ना हों।''

अल–शबाब के हमले में सोमालिया के दो सैनिकों की मौत, चार अन्य घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मोगादिशू। दक्षिणी सोमालिया में चरमपंथी संगठन अल–शबाब के आत्मघाती हमलावर के नाका पार कर एक सैन्य परिसर में हमला करने की कोशिश को विफल करने के दौरान सोमालिया के दो सैनिक मारे गए जबकि चार सैनिक घायल हो गये। घायलों में अमेरिका का भी एक सैनिक शामिल है। सोमालिया के सूचना मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह हमला तटीय शहर किस्मायो से 60 किलोमीटर दूर उत्तर में सोमवार सुबह हुआ। बयान में कहा गया है कि सोमालिया के तीन अन्य सैनिक घायल हुये हैं जबकि इस दौरान अल–शबाब का हमलावर मारा गया है। अमेरिकी अफ्रीकी कमान के प्रवक्ता क्रिस्टोफर कार्न्स ने एक अन्य बयान में कहा, '' अमेरिकी सैनिक की हालत स्थिर है और उसका इलाज जारी है तथा वह खतरे से बाहर है।''हालांकि संगठन अक्सर हताहत हुए लोगों की संख्या बढ़ा चढ़ाकर बताता है।

रूस ने नागरिकों के लिए जारी की कोरोना वैक्सीन

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वैक्सीन ने सभी गुणवत्ता जांच को पार कर लिया है

खुशखबरी

भारत के लिए खुशखबरी, जल्द होगा ट्रायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस ने अपने नागरिकों के लिए अपनी दुनिया की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन Sputnik V के पहले बैच को आम नागरिकों के लिए जारी कर दिया है। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस रूसी वैक्सीन ने सभी गुणवत्ता जांच को पार कर लिया है और अब इसे आम नागरिकों को लगाने के लिए जारी कर दिया गया है। रूसी वैक्सीन का इसी सप्ताह तीसरे चरण का क्लिनिकल ट्रायल शुरू होने जा रहा है। इससे पहले रविवार को मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने आशा जताई थी कि राजधानी के ज्यादातर लोगों को अगले कुछ महीने के अंदर कोरोना वायरस वैक्सीन लगा दिया जाएगा।

बता दें कि रूस की कोरोना वायरस वैक्सीन स्पूतनिक वी के अंतिम फेज का क्लिनिकल ट्रायल इस महीने से भारत में शुरू होगा। वैक्सीन बनाने के लिए फंड मुहैया कराने वाली एजेंसी रशियन डॉयरेक्ट इनवेस्ट फंड के सीईओ किरिल दिमित्रिज ने कहा कि इस वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल भारत समेत यूएई, सऊदी अरब, फिलीपींस और ब्राजील में इस महीने से शुरू हो जाएगा।

इसमें यह भी बताया गया है कि वैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल सऊदी अरब, यूएई, ब्राजील, भारत और फिलीपींस सहित कई देशों में किए जाने की योजना है। रूस ने बताया कि वैक्सीन का बड़े पैमाने पर उत्पादन सितंबर 2020 में शुरू होने की उम्मीद है। भविष्य की योजनाओं में 2020 के अंत तक इस वैक्सीन के 20 करोड़ डोज बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से 3 करोड़ वैक्सीन केवल रूसी लोगों के लिए होगी। रूसी न्यूज एजेंसी ने रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेस में डेप्युटी डायरेक्टर डेनिस लोगुनोव के हवाले से कहा कि स्पूतनिक वी वैक्सीन को रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय की अनुमति के बाद व्यापक उपयोग के लिए जारी किया जाएगा।

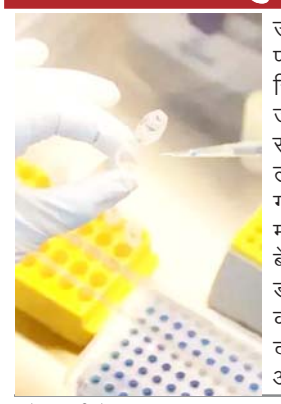

उन्होंने यह भी बताया कि वैक्सीन के तीसरे फेज के क्लिनिकल ट्रायल का प्राइमरी रिजल्ट अक्टूबर–नवंबर में जारी कर दिया जाएगा। इस कोरोना वैक्सीन को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 11 अगस्त को लॉन्च किया था। इस वैक्सीन को मॉस्को के गामलेया रिसर्च इंस्टिट्यूट ने रूसी रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर एडेनोवायरस को बेस बनाकर तैयार किया है। रशियन डॉयरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड ने अपने बयान में कहा है कि इस वैक्सीन का उत्पादन भारत, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, तुर्की और क्यूबा में किया जाएगा।

रूस की पहली सैटेलाइट से मिला वैक्सीन को नामः इस वैक्सीन का नाम रूस की पहली सैटेलाइट स्पूतनिक से मिला है। जिसे रूस ने 1957 में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने लॉन्च किया था। उस समय भी रूस और अमेरिका के बीच स्पेस रेस चरम पर थी। कोरोना वायरस वैक्सीन के विकास को लेकर अमेरिका और रूस के बीच प्रतिद्वंदिता चल रही थी। रूस के वेल्थ फंड के मुखिया किरिल दिमित्रीव ने वैक्सीन के विकास की प्रक्रिया को स्पेस रेस जैसा बताया था। उन्होंने US TV को बताया, जब अमेरिका ने Sputnik (सोवियत यूनियन की बनाई दुनिया की पहली सैटलाइट) की आवाज सुनी तो वे हैरान रह गए, यही बात वैक्सीन के साथ है। रूस की वैक्सीन सामान्य सर्दी जुखाम पैदा करने वाले कमदवअपतने पर आध ाारित है। इस वैक्सीन को आर्टिफिशल तरीके से बनाया गया है। मॉस्को की सेशेनॉव यूनिवर्सिटी में 18 जून से क्लिनिकल ट्रायल शुरू हुए थे।

पीओके में बांध बना रहा चीन सड़क पर उतर जोरदार विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुजफ्फराबाद। चीन के मंसूबों को पूरा करने में पाकिस्थान की इमरान खान सरकार पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की जनता की आवाज नहीं सुन रही है। पीओके की मुजफ्फराबाद में एक बार फिर से बड़ी संख्या में लोगों ने इलाके में चीनी की ओर से बनाए जा रहे विशाल बांधों का जमकर विरोध किया।

पीओके के लोगों ने टॉर्च रैली निकालकर नीलम–झेलम नदियों पर बनाए जा रहे बांधों का विरोध किया। इससे पहले भी बड़ी संख्या में लोगों ने मुजफ्फराबाद शहर के अंदर जोरदार मशाल जुलूस और विरोध मार्च निकाला था। पीओके के लोग नारे लगा रहे थे कि नीलम–झेलम पर बांध न बनाओ और हमें जिंदा रहने दो।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इन बांधों से पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान में ट्विटर पर लगातार लोग ट्वीट करके अपना विरोध जता रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से सवाल किया कि आखिर किस कानून के तहत इस विवादित जमीन पर बांध बनाने के लिए चीन और पाकिस्तान में समझौता हुआ है? उन्होंने कहा कि नदियों पर कब्जा करके पाकिस्तान और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन कर रहे हैं। चीन और पाकिस्तान ने आपस में अरबों डॉलर का समझौता किया है।

चीन और पाकिस्तान के लिए काल बनेगा भारत का हाइपरसोनिक मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बनाने का ख्वाब देख रहे चीन और उसके आयरन ब्रदर पाकिस्तान दोनों के लिए बहुत बुरी खबर है। लद्दाख में चल रहे तनाव के बीच भारत ने हाइपरसोनिक टेक्नॉलजी डिमॉन्स्ट्रेटर वीइकल का सफल परीक्षण किया है। रूस, चीन और अमेरिका के बाद भारत चौथा ऐसा देश बन गया है जिसने अपनी खुद की हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी विकसित की है। इससे अब भारतीय नौसेना आने वाले समय में चीन और पाकिस्तान के युद्धपोतों पर ध्वनि की 6 गुना ज्यादा रफ्तार से मिसाइलें दाग सकेगी।

ग्लोबल टाइम्स ने भारत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारतीय सेना ने चीनी सैनिकों पर चलाई गोली, हम युद्ध से पीछे नहीं हटेंगे

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास भारत के सैनिकों पर गोली चलाने वाले चीन के सरकारी प्रोपेगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स ने भारत को धमकी दी है। ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में मंगलवार को कहा कि हम भारत के साथ जंग नहीं चाहते हैं लेकिन अगर भारत ने चीन की अच्छी मंशा का गलत मतलब निकाला और चेतावनी में गोलियां चलाईं तो हम युद्ध से पीछे नहीं हटेंगे।

ग्लोबल टाइम्स ने कहा, हम भारत के साथ युद्ध नहीं चाहते हैं लेकिन भारतीय पक्ष अगर चीन की अच्छी मंशा का गलब मतलब निकालेगा या चेतावनी में गोली चलाकर रोकने का प्रयास करेगा तो यह दांव भारत को उल्टा पड़ेगा। चीन युद्ध से बचने के लिए हार नहीं मानेगा। चीनी अखबार ने धमकी दी, हमें भारत को गंभीरतापूवर्क चेतावनी देनी होगी। भारत के अग्रिम मोर्चे के सैनिकों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की। भारत की चीन के प्रति नीतियों ने लक्ष्मण रेखा पार की। भारत अतिअविश्वास में पीएलए और चीनी जनता को उकसा रहा है। यह एक तरीके से चट्टान के किनारे खड़े रहने जैसा है। इससे पहले ग्लोबल टाइम्स ने चीनी सेना के वेस्टर्न थियेटर कमांड के प्रवक्ता के हवाले से पैंगोग सो के पास झड़प का दावा किया था। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, भारतीय सेना ने पैंगोंग सो झील के दक्षिणी छोर के पास शेनपाओ की पहाड़ी पर एलएसी को पार किया।

भारतीय जवानों ने बातचीत की कोशिश कर रहे पीएलए के बॉर्डर पट्रोल से जुड़े सैनिकों पर वार्निंग शॉट फायर किए जिसके बाद चीनी सैनिकों को हालात काबू में करने के लिए कदम उठाने पड़े। पीएल के वेस्टर्न थियेटर कमांडर के प्रवक्ता झांग शुई ने भारत पर आरोप लगााते हुए कहा, श्भारतीय पक्ष ने द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन किया है।

सत्तारूढ़ पार्टी में शिंजो आबे के उत्तराधिकारी के लिए अभियान शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। जापान में सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व के लिए मंगलवार को आधिकारिक रूप से अभियान शुरू हो गया और प्रधानमंत्री शिंजो आबे के लंबे समय से बेहद करीबी रहे नेता योशिहिदे सुगा को इस पद के लिए एक शीर्ष उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है जिनके संभवतः सरकार का नेतृत्व भी संभालने की उम्मीद है। मुख्य कैबिनेट सचिव एवं सरकार के मुख्य प्रवक्ता 71 वर्षीय सुगा ने पिछले हफ्ते लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व के लिए आधिकारिक रूप से अपनी उम्मीदवारी दाखिल की थी। उनका मुकाबला अपेक्षाकृत युवा पूर्व रक्षामंत्री शिगेरु इशिबा और पूर्व विदेशमंत्री फुमियो किशिदा के साथ है। दोनों की उम्र 63 साल है। पार्टी नेतृत्व के लिए विजेता का फैसला 14 सितंबर को होने वाले मतदान से होगा और पार्टी के नेतृत्व प्राप्त करने वाला नेता अंततरू जापान का अगला पीएम बनेगा क्योंकि संसद में सत्तारूढ़ पार्टी का बहुमत है। आबे स्वास्थ्य कारणों से पद से इस्तीफा दे रहे हैं। देर से दावेदारी करने वाले सुगा को पार्टी के प्रमुख नेताओं का समर्थन प्राप्त है क्योंकि आबे की नीतियों को जारी रखने के मामले में वह बेहतरीन प्रत्याशी हैं।